कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#3. माँ - कहानी (गुजराती कहानी)

प्रश्न #1. माँ मंगु की श्रेणी में क्यों मिल गई? कहानी-कला की दृष्टि से कहानी का अंत कैसा है? लिखें। [2023AI]

उत्तर: माँ अपनी पुत्री मंगु से बहुत स्नेह करती है क्योंकि मंगु जन्म की पागल और गूँगी थी। जब उसे पागलखाने में भर्ती कराया गया तब उसकी देखभाल के लिए माँ की चिंता इतनी बढ़ गई कि वो स्वयं भी मंगु की श्रेणी में मिल गई। कहानी का अंत दुखद किन्तु प्रेरणादायी है।

प्रश्न #2. माँ कहानी के लेखक का क्या नाम हैं, वह कहाँ के रहने वाले थे। [2021AII]

उत्तर: 'माँ' कहानी के लेखक का नाम 'ईश्वर पेटलीकर' है। वे गुजरात के रहने वाले हैं।

प्रश्न #3. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती है? विचार करें। [2011A, 2013A, 2020AI]

उत्तर: माँ अस्पताल की व्यवस्था से मन-ही-मन काँप रही थी। वह लोगों को अस्पताल के लिए गोशालाओं की उपमा देती थी। मंगु बिस्तर पर प्रखाना-पेशाब कर देती थी और वह खिलाने पर ही खाती थी। माँ जी में आत्मविश्वास था कि अस्पताल में डॉक्टर, नर्स आदि सभी अपना कोरम पूरा करेंगे। बिस्तर भींगने पर कौन उसके कपड़े और बिस्तर बदलेगा। माँ जी के मन में इसी तरह के विभिन्न प्रश्न उठा करते थे। इन्हीं कारणों से वह मंगु को अस्पताल में भर्ती कराना नहीं चाहती थी।

कक्षा 10वीं – हिन्दी, वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#3. माँ - कहानी (गुजराती कहानी)

प्रश्न #4. कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें। [2016AII]

उत्तर: कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया यह हुई कि कुसुम अपने पागलपन से अस्पताल से इलाज होने के बाद ठीक हो गई तो मंगु भी अवश्य ही ठीक हो जाएगी।

प्रश्न #5. मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फर्क है उसे अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर: मंगु जन्म से पागल और गूँगी बालिका थी। माँ के लिए कोई कैसी भी संतान हो उसकी वात्सल्यता फूट ही पड़ती है। ममता की प्रतिमूर्ति माँ स्वयं अपने सुख को भूलकर पुत्री के लिए समर्पित हो जाती है। उसकी नींद उड़ गई है और वह रात-दिन अपनी असहाय बच्ची के लिए सोचती रहती है। माँ का समग्र मातृत्व मंगु पर निछावर हो गया है। परिवार के अन्य सदस्य (दो बेटे, उनकी बहुएँ और पोते-पोतियाँ, और एक अन्य पुत्री) माँ के व्यवहार से अनमने-सा दुखी रहते हैं। माँ के अतिरिक्त परिवार के अन्य सदस्य मंगु को पागलखाना में भर्ती कराकर निश्चित हो जाना चाहते हैं, किन्तु माँ बराबर इसका विरोध करती रहती है।

प्रश्न #6. 'माँ' शीर्षक कहानी के मुख्य पात्रों के नाम लिखें। [2014AII, 2024AI, 2024AII]

उत्तर: 'माँ' शीर्षक कहानी के मुख्य पात्रों के नाम है-माँ, मंगु, कुसुम आदि।